पुणना International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

कक्षा- पाँचवी कविता-३ खिलौनेवाला
विषय- हिन्दी पाठ-४ नन्हा फ़नकार

पाठ-३ खिलौनेवाला

-सुभद्रा कुमारो चौहान

* कठिन शब्द

१-पहिने
२-मचल
३-कमान
५-ताड़का
६-असुरों
७-मनचाही

* शब्दार्थ

१-पहिने-पहना हुआ
२-पुकार-आवाज़
३-कमान-धनुष
४-ताड़का-एक राक्षसी का नाम
५-असुर-राक्षस
६-वन-जंगल
७-तपसी-तपस्या करनेवाला

* अतिलघु प्रश्न के उत्तर

१-खिलौनेवाली मोटरगाड़ी कैसी थी?
उ-खिलौनेवाली मोटरगाड़ी सर-सर-सर चलनेवाली थी।
२-खिलौनेवाला क्या कहकर खिलौने बेच रहा था?
उ-खिलौनेवाला "नए खिलौने ले लो भैया"कहकर खिलौने बेच रहा था।
३-मुन्नू व मोहन ने क्या-क्या खरीदा था?
उ-मुन्नू ने गुड़िया और मोहनने मोटरगाड़ी खरीदा था।
४-ताड़का का वध किसने किया था?
उ-ताड़का का वध श्रीराम ने किया था।

* लघु उत्तरीय प्रश्न

१-खिलौनेवाली रेल की कौन-कौन सी विशेषताएँ थीं?
उ-खिलौनेवाली रेल चाभी भर देने से भक-भक करती चलनवाली थी।
२-खिलौनेवाले के पास कौन-कौन से खिलौने थे?
उ-खिलौनेवाले के पास तोता, गेंद, मोटरगाड़ी, रेल, गुड़िया, टी-सेट, लोटा-थाली, धनुष-बाण, तलवार थे।
३-सरला की कौन-सी इच्छा पूरी न हो सकी और क्यों?
उ-सरला की साड़ी लेन की इच्छा पूरी न हो सकी क्योंकि उसके पास केवल चार पैसे थे।

४-बालक आज्ञाकारी पुत्र है। कविता के आधार पर सिदध कीजिए।
उ-बालक अपनी माँ की हर बात मानता है इस तरह बालक आज्ञाकारी पुत्र ह।

(व्याकरण-विभाग)

* **लिंग-** संज्ञा के जिस रूप से किसी जाति स्त्रीजाति या पुरुषजाति का बोध होता है, उसे लिंग कहते हैं।

*** संज्ञा के दो भेद है-१-पुल्लिंग २-स्त्रीलंग**

* पुल्लिंग

जिस संज्ञा शब्दों से पुरुष जाति का बोध होता है, उसे पुल्लिंग कहते हैं उदाहरण -आदमी, सेठ आदि

* स्त्रीलिंग

जिन संज्ञा शब्दों से स्त्रीजाति का बोध होता है, उसे स्त्रीलिंग कहते हैं उदाहरण- औरत, सेठानी।

(लेखन-विभाग)
पत्र-लेखन

* अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए, जिसमें बीमारी के कारण अवकाश लेने के लिए प्रार्थना की गई हो।

दिनांक- 25 मई, 2019
सेवामें,
श्रीमान प्रधानाचार्यजी,
सर्वोदयविद्यालय,
सी.सी.कालोनी,
दिल्ली।
विषय-बीमारी के कारण छुट्टी के लिए प्रार्थना-पत्र।
महोदय,
सविनय निवेदन यह हैं कि मैं आपके विद्यालय की कक्षा दसवीं 'ब' का छात्र हूँ। मुझे कल रात से बहुत तेज ज्वर हैं। डॉक्टरने मुझे दो दिन आराम करने की सलाह दी हैं। इस कारण मैं आज विद्यालय में उपस्थित नहीं हो सकता। कृपया, मुझे दो दिन (25 मईसे 26 मई 2020) का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।
धन्यवाद।
आपका आज्ञाकारी शिष्य
नरेशकुमार
कक्षा-पाँचवी

*** स्वाध्याय-विपरीत लिंग वाले रूप लिखिए।**

१-शिक्षक २-सिंह ३-देव ४-युवती ५-दासी

* गतिविधि-खिलौनेवाले का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।

पाठ-४ नन्हा फ़नकार

* कठिन शब्द

१-बुदबुदाई
२-कटाव
३-संगतराश
४-महीन-नफ़ीस
५-पुश्तैनी
६-तल्खी
७-मँझोला
८-मुआयना
९-वयस्क
१०-कौतूहल
११-फ़नकार
१२-शिल्पकार

* शब्दार्थ

१-नन्हा-छोटा
२ फ़नकार-कलाकार
३-बुदबुदाना-धीरे से बोलना
४ नक्काशी-पत्थर पर चित्र उकेरना
५ किरचे-पत्थर के टुकड़े
६ उकेरना-उतारना
७ संगतराश-साथ में नक्काशी करनेवाले
८ पुश्तैनी-खानदानी
९ आहट-आवाज़
१० तल्खी स-खींचकर
११ ज़ुर्रत-हिम्मत
१२ बदहवासी-घबराहट
१३ इत्मीनान-तसल्ली से
१४ त्यौरियाँ चढ़ जाना-गुस्सा आ जाना
१५ कौतूहल-जिज्ञासा, उत्सुकता

* अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

१-केशव द्वारा किए गए नक्काशी के कार्यो में सर्वाधिक कठिन कार्य क्या था?

उ-केशव द्वारा किए गए नक्काशी के कार्यो में घंटियों को बनाना ही सबसे ज़्यादा मुश्किल था।

२-केशव मूल रुप से कहाँ का रहनेवाला था?

उ-केशव मूल रुप से आगरा का रहनेवाला था।

३-बादशाह अकबर ने सिर पर क्या धारण कर रखा था?

उ-बादशाह अकबरने ने सिर पर लाल रंग की पगड़ी धारण कर रखी थी।

* लघु उत्तरोय प्रश्न

१-केशव अपनी आँखे कब, किस कारण से सिकोड़ लेता था?

उ-हथौड़े के वार से पत्थर पर जो कटाव उभरता उससे पत्थर की किरचें छितरा जातीं और वह आँखे सिकोड़ लेता।

२-केशव किसके कदमों की आहट से अनजान था और क्यों?

उ-केशव बादशाह अकबरकी आहट से अनजान था क्योंकि चारों ओर हो रही छेनी-हथौड़ो की ठक-ठक, खड़-खड़ क बीच केशव को किसीक कदमों की आहट भी न सुनाई पड़ी।

३-पहरेदार के जाने के बाद केशव किस दुविधा में था?

उ-पहरेदारके जाने के बाद केशव असमंजस में था कि उसे क्या करना चाहिए। वापस अपना नक्काशी का काम शुरु कर या बादशाह के हुक्म के इंतजार में खड़ा रहे।

*** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

१-केशव कौन था? उसने अपने बारे में क्या भविष्यवाणी कर रखी थी?

उ-केशव दस साल का लड़का था।उसे विश्वास था कि एक दिन वह भी अपन पिता की तरह सुंदर ड़िजाइन पत्थर पर उकेरने में सफ़ल होगा।

२-पहरेदार की कौन-सी दखलअंदाजी अकबर को पंसद नहीं आई और क्यों?

उ-बादशाह अकबर चाहते थे कि केशव उन्हें एक साधारण व्यक्ति समझकर ही उनसे बातें करे। उन्हें अपना व अपन नक्काशी के हुनर के बारे में बताए। अकबर को उससे बातें करने में आनंद आ रहा था इसलिए उन्हें पहरेदार की दखलअंदाजी अच्छी नही लगी।

३-केशव ने अकबर की गलती को किस प्रकार पकड़ा? बादशाह से चूक हो जाने पर केशव की क्या प्रतिकिया होती थी?

उ-अकबर ने पत्थर पे छेनी रखकर जोर से हथौड़े पर वार किया, जिससे कटाव ज्यादा गहरा हो गया। केशव ने तुरंत गलती पकड़ी। बादशाह से चूक हो जाने पर केशव बादशाह को हल्के हाथ से वार करने को कहता।

(व्याकरण-विभाग)

* वचन- शब्द के जिस रूप से उसके एक अथवा अनेक होने का पता चले, उसे वचन कहते है।

1- <u>एकवचन</u> -

संज्ञा के जिस रूप से एक ही वस्तु, पदार्थ या प्राणी का बोध होता है, उसे एक वचन कहते हैं!

उदाहरण - लड़की, बेटी, घोड़ा, नदी आदि !

2- <u>बहुवचन</u> -

संज्ञा के जिस रूप से एक से अधिक वस्तुओं, पदार्थों या प्राणियों का बोध होता है, उसे बहुवचन कहते हैं !

उदाहरण - लड़कियाँ, बेटियाँ, घोड़े, नदियाँ आदि|

(लेखन-विभाग)

निबंध

वर्षाऋतु-

- वर्षाऋतु को सभी ऋतुओं का रानी कहा जाता है। भारत में चार मुख्य ऋतुओं में वर्षाऋतु एक है। यह हर साल गरमी के मौसम के बाद जुलाई से शुरु होकर सितंबर तक रहता है। गर्मी के मौसम में तापमान अधिक होने के कारण पानी के संसाधन जैसे महासागर, नदी आदि वाष्प के रुप में बादल बन जाते है। वाष्प आकाश में इकट्ठा होती है और बादल बन जाते है जो वर्षाऋतु में चलते है जब मानसून बहता है और बादल आपस में घर्षण करते है। इस से बिजली चमकती और गरजती है औ फिर बारिश होती है।कड़कड़ाती गर्मी के बाद जून और जुलाई के महीने में वर्षाऋतु का आगमन होता है और लोगोंको गर्मी से काफी राहत मिलती है।

- वर्षाऋतु एक बहुत ही सुहाना ऋतु है। वर्षाऋतु आते ही लोगों में खासकर के किसानों में खुशियों का संचार हो जाता है। वर्षाऋतु सिर्फ गर्मी से ही राहत नहीं देता है बल्कि यह खेती के लिए वरदान है। बहुत सारे फसल अच्छी वर्षा पर निर्भर करता है। अगर अच्छी वर्षा नहीं हुई तो ज्यादा उपज नहीं

हो पाएगा, जिससे लोगों को सस्ते में अनाज नहीं मिल पाएगा।वर्षाऋतु के अपने फायदे और नुकसान है। बारिश का मौसम सभी को अच्छा लगता है क्योंकि यह सूरज की तपती गर्मी से राहत देता है। यह पर्यावरण से सभी गर्मी को हटा देता है और एक ठंडक एहसास होता है। यह पेड़, पौधे, घास, फसल और सब्जियों आदि को बढ़ने में मदद करता है।

- यह मौसम सभी जानवरों और पक्षियों को भी बेहद पसंद होता है क्योंकि उन्हें चरने के लिये ढेर सारी घास और पीने के लिये पानी मिल जाता है और इससे हमें दिन में दो बार गाय और भैंसों का दूध उपलब्ध हो जाता है। सभी प्राकृतिक संसाधन जैसे नदी और तालाब आदि पानी से भर जाते है। आखिरकार सभी के द्वारा वर्षाऋतु को बहुत पसंद किया जाता है । हर तरफ हरियाली ही दिखाई देती है। पेड़, पौधे और लताओं में नयी पत्तियाँ आ जाती है। फूल खिलना शुरु हो जाते है। हमें आकाश में इन्द्रधनुष देखने का बेहतरीन मौका मिलता है।

-इस मौसम में सूरज भी लुका-छिपी खेलता है। मोर और दूसरे पक्षी अपने पंखों को फैलाकर झूमने लगते है। हम सभी वर्षाऋतु का आनन्द स्कूल और घर दोनों जगह लेते है।

*** स्वाध्याय- शब्दों के एकवचन और बहुवचन रूप लिखिए।**

१-छात्रा　　२-कुर्सियाँ　　३-पुस्तक
४-गायों　　५-घड़ा

*** गतिविधि-** बादशाह अकबर का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।